

लखनऊ समेत कानपुर नगर व वाराणसी के पूरे क्षेत्र में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू चर्चा में क्यों?

14 नवंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश डीजीपी मुख्यालय ने लखनऊ, कानपुर नगर और वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी। कानपुर नगर और वाराणसी में एक-एक ज़ोन बढ़ाया गया है, जबकि लखनऊ ग्रामीण के थानों को लखनऊ में समायोजित कर दिया गया है।

प्रमुख बटि

- एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि तीनों ही ज़िलों में कमिश्नरेट के पहले के ढाँचे में बदलाव किया गया है। अब लखनऊ में 52 थाने, 16 सर्कलि और पाँच ज़ोन होंगे। कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट में 49 थाने, 14 सर्कलि और चार ज़ोन होंगे। वहीं वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में 30 थाने, 9 सर्कलि और तीन ज़ोन होंगे।
- कानपुर में सेंट्रल और वाराणसी में गोमती नया ज़ोन बनाया गया है। कानपुर में एक डीसीपी, एक एडीसीपी और चार एसीपी का पद बढ़ाया गया है। इसी तरह वाराणसी में एक डीसीपी, एक एडीसीपी और तीन एसीपी का पद बढ़ा है।
- लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में कोई नया ज़ोन नहीं बनाया गया है। ग्रामीण के सात थानों को अलग-अलग ज़ोन में शामिल कर दिया गया है। हालाँकि, लखनऊ में तीन एसीपी का पद बढ़ाया गया है।
- वाराणसी में गोमती नया ज़ोन होगा। इसके साथ ही वाराणसी में अब ज़ोन की संख्या दो से बढ़कर तीन हो गई है। सर्कलि की संख्या भी छह से बढ़कर नौ हो गई है। काशी ज़ोन में 13 थाने, वरुणा ज़ोन में 10 थाने और गोमती ज़ोन में सात थाने रखे गए हैं। काशी ज़ोन में चार सर्कलि, वाराणसी ज़ोन में तीन सर्कलि और गोमती ज़ोन में दो सर्कलि रहेंगे।